पहचान | by Sakshi Agarwal

तेरी कृपा का है ये असर सांवरे
मेरी पहचान है अब तेरे नाम से
तेरी कृपा का है .....
लोग कुछ भी कहें मुझको परवाह नहीं
जीवन जीते हैं हम तो बड़े शान से
तेरी कृपा का है .....

ऐसे मुश्किल भरे मेरे हालात थे
दिल के दरवाज़ों में बंद जज़्बात थे
कोई साथी ना था कोई संगी ना था
शक्ति मिलती थी मुझको तेरे नाम से
तेरी कृपा का है .....

जो उठाते थे मुझ पे ऊँगली कभी
आज चलते हैं नज़रें झुका के सभी
मैं भी हैरान था थोड़ा परेशां था
अब तो सम्मान मिलता तेरे नाम से
तेरी कृपा का है .....

तेरी कृपा रहे जब तक ज़िन्दगी
यूँ ही चाहे मोहित बस तेरी बंदगी
लब ये खामोश हैं आँखें रोने लगी
इतने एहसान है मुझपे घनश्याम के
तेरी कृपा का है .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a4%b9%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%a8-by-sakshi-agarwal/